

# श्रीमद् भागवत रसिक कुटुंब

दारिद्र्य दहन शिव स्तोत्र



श्रीमद् भागवत का यह सार  
भगवद् भक्ति ही आधार

## दारिद्र्य दहन शिव स्तोत्र

विश्वेश्वराय नरकार्णव तारणाय,  
कर्णामृताय शशिशेखर धारणाय,  
कर्पूरकांति धवलाय जटाधराय,  
दारिद्र्य दुःख दहनाय नमः(श) शिवाय...

गौरी प्रियाय रजनीशकलाधराय,  
कालान्तकाय भुजगाधिप कंकणाय,  
गंगाधराय गजराज विमर्दनाय,  
दारिद्र्य दुःख दहनाय नमः(श) शिवाय...

भक्तिप्रियाय भवरोग भयापहाय,  
उग्राय दुर्गभवसागर तारणाय,  
ज्योतिर्मयाय गुणनाम सुनृत्यकाय,  
दारिद्र्य दुःख दहनाय नमः(श) शिवाय...

चर्माम्बराय शवभस्म विलेपनाय,  
भालेक्षणाय मणिकुंडल मण्डिताय,  
मंजीर पादयुगलाय जटाधराय,  
दारिद्र्य दुःख दहनाय नमः(श) शिवाय...

पंचाननाय फणिराज विभूषणाय,  
हेमांशुकाय भुवनत्रय मण्डिताय,  
आनंदभूमिवरदाय तमोमयाय,  
दारिद्र्य दुःख दहनाय नमः(श) शिवाय...

भानुप्रियाय भवसागर तारणाय,  
कालान्तकाय कमलासन पूजिताय,  
नेत्रत्रयाय शुभलक्षण लक्षिताय,  
दारिद्र्य दुःख दहनाय नमः(श) शिवाय...

रामप्रियाय रघुनाथवरप्रदाय,  
नागप्रियाय नरकार्णवतारणाय,  
पुण्येषु पुण्यभरिताय सुरार्चिताय,  
दारिद्र्य दुःख दहनाय नमः(श) शिवाय...

मुक्तेश्वराय फलदाय गणेश्वराय,  
गीतप्रियाय वृषभेश्वर वाहनाय,  
मातंग चर्मवसनाय महेश्वराय,  
दारिद्र्य दुःख दहनाय नमः शिवाय...